विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - प्रथम दिनांक :- 30/10/2020

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित (कविता)

चंदा मामा

चंदा मामा गोल मटोल,

कुछ तो बोल, कुछ तो बोल।

कल थे आधे, आज हो गोल

खोल भी दो अब अपनी पोल।

रात होते ही तुम आ जाते ,

संग साथ सितारे लाते।

दिन में न जाने कहां छिप जाते,

कुछ तो बोल, कुछ तो बोल।

****

ज्योति